५०१/२६९

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १५ जून, २०१४)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५) **सत्संग परिचय - १**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - द्वितीय संस्करण, मार्च - २००९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''आपने कितने मनुष्यों को सत्संग करवाया ?'' (८१)
२. ''आजकल सहजानंद कहाँ है ?'' (६४)
३. ''आपकी आज्ञा के अनुसार हम सद्गुरुओं के साथ रहकर सेवा कर रहे हैं ।'' (११३)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. श्रीहरि का मुंडन समाप्त होने पर लड़का रोने लगा । (११२)
२. नित्यानंद स्वामी रोने लगे । (१६०)
३. श्रीहरि ने अहमदाबाद और मछियाव दोनों में एकसाथ फूलडोल का उत्सव किया । (१४५)

प्र.३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) [५]

१. गवर्नर ज्हॉन माल्कम से भेंट (१५५-१५७)
२. हमको कैसा कहेंगे ? (१२४)
३. महन्तों की नियुक्ति (१४६-१४७)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. महाराज धर्मभक्ति के घर कितने समय रहे ? (११७, १६७)
२. वड़ताल और अहमदाबाद कोन से प्रमुख देवताओं के स्थान बने ? (१५०)
३. उमरेठ के ब्राह्मणों ने क्या निश्चय किया ? (५४)
४. पंचाला में पुष्पदोलोत्सव के प्रसंग पर महाराज ने संतों के साथ क्या किया ? (१२५)
५. बिशप हेबर को श्रीहरि के कार्य की महिमा किस ने सुनाई थी ? (१३३)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज ने कहाँ कहाँ बीमारी ग्रहण की ? (१२३)
   (१) ☐ कोठ (२) ☐ पंचाला
   (३) ☐ जेतलपुर (४) ☐ आदरज
२. शिक्षापत्री । (१४५)
   (१) ☐ अक्षर ओरडी में शिक्षापत्री की रचना का आरम्भ
   (२) ☐ प्रतिदिन पठन अथवा श्रवण अथवा पूजन की आज्ञा
   (३) ☐ सं १८८२ ऋषिपंचमी के दिन पूर्णाहुति हुई
   (४) ☐ सवित्रानंदजी आदि सुंदर हस्ताक्षर वाले साधुओं के द्वारा प्रतियाँ तैयार की गई

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. ..... भोजन का एक गोला पहले ..... ने खाया । (४९)
२. श्रीहरि ने एक साथ ..... संतों को ..... का त्याग करवाया । (४३)
३. ..... और ..... में श्रीहरि ने कई लोगों को समाधि लगवाई । (१४)
४. महाराज ने ..... घोड़ा ..... को कृष्णार्पण कर दिया । (३३)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम संस्करण, जुलाई - २०००

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''हम नदी के किनारे की झोंपड़ी में रहने लगेंगे ।'' (३८)
२. ''यह तो सालेमाल पर्वत का रास्ता ऐसा ही उबड़-खाबड़ है ।'' (६)
३. ''यदि तुम धर्म-नियम का पालन सुन्दर रीति से करो तो मैं यहाँ रह सकती हूँ ।'' (४६)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [४]

१. श्रीजीमहाराज ने आचार्य की नियुक्ति करने का विचार किया । (३१)
२. ब्रह्मचारी अक्षरधाम से ही महाराज की सेवा करने के लिए पधारे हैं । (२३)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय-१**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.९ दादाखाचर की महाराज के प्रति निष्ठा (४०-४१) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. महाराज की मूर्ति के कितने सुख है ? कौन कौन से ? (५६-५७)

२. इन्द्रजीभाई प्रतिवर्ष किस के साथ रहा करते थे ? (६७)

३. प्रेमानंद स्वामी का जन्म कहाँ और कोन से परिवार में हुआ था ? (११)

४. कृष्णजी अदा कब और कहाँ अक्षरधाम में गये थे ? (संवत्, मास, तिथि) (७१-७२)

प्र.११ निम्नलिखित विषय के सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । [६]

विषय : नित्यानन्द स्वामी की सर्वोत्कृष्ट स्वरूप में दृढ़ निष्ठा । (४-५)

१. वरताल में 'सत्संगिजीवन' ग्रंथ लिखा जा रहा था । **२.** अधिकाश सन्तों ने उनकी दतात्रेय और कपिल के अवतारों से तुलना की । **३.** नित्यानन्द स्वामी ने सभाओं में जाना बन्द कर दिया । **४.** ''हम तो रामकृष्ण जैसे ही है'' श्रीजीमहाराज ने कहा । **५.** श्रीजीमहाराज तो सर्व अवतारों के अवतारी हैं । **६.** नित्यानन्द स्वामी ने धारणां पारणां व्रत शुरू किया । **७.** नित्यानन्द स्वामी को विमुख कर दिया । **८.** आठवें दिन श्रीजी महाराज ने पत्र लिखा । **९.** आप लोग भी मेरे स्वरूप की वैसे ही उपासना करो । **१०.** नित्यानंद स्वामी को भेटकर प्रसादी का हार दिया । **११.** श्रीजीमहाराज ने नित्यानन्द स्वामी को सभा में बुलवाया । **१२.** ग्रंथ सर्वोत्कृष्ट लिखा गया है ।

(१) केवल सही क्रमांक ☐☐☐☐☐☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐☐☐☐☐☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे ।(२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । [४]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : संवत् १८७२ में मार्गशीर्ष शुक्ला नवमी की रात को नित्यानन्द स्वामी ने अहमदाबाद में आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज, गुणातीतानन्द स्वामी, परमचैत्यानन्द स्वामी, कृपानन्दजी के दर्शन करते करते कारण देह का त्याग किया ।

उत्तर : विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : संवत् १९०८ मार्गशीर्ष शुक्ला अष्टमी के दिन नित्यानन्द स्वामी ने आचार्यश्री रघुवीरजी महाराज, गोपालानन्द स्वामी, शुकमुनि, शून्यातीतानंदजी आदि सन्तों के देखते - देखते उन्होंने अपनी नश्वर देह वरताल में छोड़ दी ।

१. प्रेमसखी प्रेमानंद स्वामी : जूनागढ़ के नवाबने उज्जैन के गवैये को कहा, 'स्वामिनारायण के साधु ब्रह्मानन्द का संगीत सुनने के पश्चात् और किसी का संगीत का मन नहीं होता ।' (१६)

२. श्री अयोध्याप्रसादजी महाराज : आचार्यश्री बीमार पड़े, उन्हें सात दिन के उपवास हुए । उन्होंने विशेष रूप से गोपालानन्द स्वामी को अहमदाबाद बुलवाया ।'' (३४)

३. भक्तरत्न लाडूबा : प्रतिदिन सवेरे नियम से जीवुबा श्रीजीमहाराज को छाश पिलाती थीं । उन्होंने एक दिन शाम को कटोरा भरकर दूध श्रीजीमहाराज को दिया । (४७-४८)

४. श्री कृष्णजी अदा : गुणातीतानन्द स्वामी ने इन्द्रजीभाई को वडताल में दीक्षा दी । आचार्य महाराज ने उनका नाम अखंडानन्द ब्रह्मचारी रखा । (६७)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । [१०]

१. समर्पण के मेरु के समान भक्तराज : श्री मोतीभाई पटेल (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - सितम्बर - २०१३, पा.नं. १८ से २३)

२. शास्त्रीजी महाराज के द्वारा उपासना-प्रवर्तन : मन्दिरों के द्वारा (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती)-फरवरी-२०१४, पा.नं. २५ से २७, ३०)

३. एशिया पेसेफिक कन्वेन्शन - २०१४ (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - फरवरी - २०१४, पा.नं. ३८ से ४३)

* * *

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ जुलाई, २०१४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र निःशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm